शब्दकोश

शब्दकोश में शब्दों के संयोजन तथा उनके अर्थ समझिए। खाली स्थान पर क्रम से चौकोर में दिए गए शब्दों में से उसी क्रम का शब्द चुनकर लिखिए और उसका अर्थ भी लिखिए।

अ

अंकल	–	चाचा, ताऊ, काका	.....		.....
अंतर्यामी	–	हृदय की बात जाननेवाला	अफवाह	–	झूठी खबर
अंदाज	–	अनुमान	अबोध	–	जिसे बोध न हो।
अखिल	–	सम्पूर्ण	अभय	–	भय रहित
अग्रसर	–	आगे बढ़ते हुए	अभिभूत	–	बहुत अधिक प्रभावित
.....		.....	अभिराम	–	सुंदर, प्रिय, सुख देनेवाला
अडिग	–	अचल	अभिशप्त	–	शापग्रस्त
.....		.....	अमल	–	पालन करना
अदब	–	सम्मान	.....		.....
अदम्य	–	जिसे दबाया न जा सके	.....		.....
अधखुली	–	आधी खुली	अरमान	–	इच्छा
अधिपति	–	स्वामी	अरुण	–	लाल
अधीर	–	जो धैर्य खो चुका हो	आलस	–	सुस्ती
अधूरा	–	अपूर्ण	अलौकिक	–	अद्‌भुत, अनोखा
अनभ्यास	–	बिना अभ्यास के	अवतरित	–	प्रकट
अनवरत	–	लगातार	अवनति	–	पतन
अनाथ	–	बेसहारा	अवनि	–	पृथ्वी
अनुकूल	–	पक्ष में	.....		.....
अनुपम	–	जिसकी उपमा न दी जा सके	.....		.....
अनुयायी	–	पीछे–पीछे चलने वाला	असाधारण	–	जो साधारण न हो
अनुरोध	–	निवेदन	असीम	–	जिसकी सीमा न हो
अपंग	–	जो किसी अंग से विहीन हो	अहाता	–	चहारदीवारी

अचरज, अथक, अफरा–तफरी, अमोल

अरदास, अवमानना, अवसर

आ

आकुलता	–	छटपटाहट, बेचैनी	आधार लेना	–	सहारा लेना
आक्रामक	–	आक्रमण करनेवाला	.....		.....
आखिरकार	–	अंत में	आनंदी मुद्रा	–	प्रसन्न मुद्रा
.....		.....	.....		.....
.....		.....	आभा	–	प्रकाश
आगत	–	आया हुआ, अतिथि	.....		.....
आग्रह	–	बल देकर निवेदन करना	आभास	–	अंदाज, पूर्व ज्ञान
आघात	–	चोट	आमंत्रित	–	निमंत्रित
आर्थोपैडिक	–	हड्डी संबंधी	.....		.....
आदेश	–	आज्ञा	आवागमन	–	आना–जाना
आधार	–	सहारा, आश्रय	.....		.....

आखेट, आखेटक, आधुनिक, आपात, आभारी, आलेख, आश्रित

इ

.....		.....	इर्द–गिर्द	–	आस–पास
इंडेक्स कार्ड	–	संदर्भ सूची	.....		.....
.....		.....	इम्तहान	–	परीक्षा
इजारेदार	–	अधिकारी, ठेकेदार	इश्तहार	–	विज्ञापन
.....		.....	.....		.....
इतिवृत्त	–	कहानी, कथा			

इच्छित, इतर, इंगित, इमदाद, इष्ट

ई

ईश	–	ईश्वर	ईर्ष्या	–	द्वेष, जलन

उ, ऊ

.....		.....	उज्वलता	–	चमकीलापन
उकेरना	–	पत्थर पर तराशकर लिखना	उत्कट	–	तीव्र
उजड्ड	–	गँवार	उत्तुंग	–	बहुत ऊँचा

.....		.....	उबालना	–	खौलाना
उत्फुल्ल	–	प्रसन्नता से खिला हुआ	उर्वरा	–	उपजाऊ
.....		.....	उलाहना	–	शिकायत
उद्यत	–	उतावला	उसूल	–	सिद्धांत
.....		.....	ऊटपटांग	–	बेढंगा

उकताना, उत्पन्न, उपकार, उत्स

ए, ऐ

एकांकीकार	–	एकांकी नाटक का लेखक	एडवांस	–	अग्रिम
एकाग्रता	–	ध्यान	.....		.....
.....		.....			

एकाधिकार, ऐश्वर्य

ओ, औ

.....		.....	औषधि	–	दवाई
.....		.....	.....		.....

ओजस्वी, ओला, औसत

क

कंदरा	–	खोह	कराह	–	दर्दभरी आवाज
कक्ष	–	कमरा	कायल होना	–	प्रभावित होना
कटुक	–	कड़ुवा	काया	–	शरीर
कद	–	देह की ऊँचाई–लंबाई	करिश्मा	–	आश्चर्यजनक कार्य, चमत्कार
कदर	–	तरह	कलह	–	लड़ाई, झगड़ा
कपोत	–	कबूतर	कलित	–	सुंदर
कमनीय	–	सुंदर	कहा	–	क्या
कयामत	–	प्रलय	कहावैं	–	कहलाते हैं
कर्कश	–	कठोर	काक	–	कौआ
कर्मनिष्ठ	–	कर्म के प्रति ईमानदार	.....		.....
करबद्ध	–	हाथ जोड़कर	कानन	–	वन, जंगल
करारा	–	अच्छा, चुनिन्दा	.....		.....

कामयाब – सफल
....
....
कार्यान्वयन – कार्य का होना, करना
किरीट – मुकुट, ताज
....
कीर्ति – यश, प्रसिद्धि
कुत्सित बुरी भावना
कुपित – नाराज़
कुफ्र – पाप
कुतुबनुमा – दिशासूचक यंत्र
कुर्बानी – बलिदानी
कुरीति – बुरी रीति
....
कुहराम – शोक का शोरगुल, हाय–तौबा
कृतज्ञता – एहसान
....
क्रूरता – निर्दयता
कोकिल – कोयल
कोतवाली – थाना, आरक्षी केन्द्र
कोसकर – गाली देकर

कागा, कानून, कामारि, कायापलट, किला, कुदिन, कुलच्छन, कृश

ख

खंड – टुकड़ा
खंड मनुज – टुकड़ों–टुकड़ों में बँटा मनुष्य
खता – दोष, अपराध
....
खुशबू – सुगंध
खामखाह – बेकार में
खिलवाड़ – मजाक
....
....
खातिर – सम्मान
....
ख्याति – प्रसिद्धि
खरीता – पत्र

खाता, खिन्न, खिलौना, खुलेआम, खुशी, खूबी

ग

गगन – आकाश
गठन – बनावट, रचना
....
....
गद्दारी – देशद्रोह, राजद्रोह
गात – शरीर
गिड़गिड़ाना – अनुनय–विनय करना
गिरि – पर्वत
....
ग्रीवा – गर्दन
....
गुमसुम – चुपचाप
गुम हो जाना – खो जाना
गेह – घर
गैर जिम्मेदार – सौंपी गई जिम्मेदारी को न निभानेवाला
गौण – साधारण, अप्रधान

गदर, गिरीश, गुजर, गठरी

च

.....		.....	चिल्ल पौं	–	शोर गुल
.....		.....	.....		.....
चरमोत्कर्ष	–	चरम उँचाई। बहुत अधिक उन्नति।	चीत्कार	–	चीख
.....		.....	.....		.....
चाटुकार	–	खुशामदी	चौपट	–	बर्बाद
चातक	–	पपीहा	चौपाल	–	गाँव का सार्वजनिक स्थान
चालो	–	छाँटकर निकालो, गतिमान करो	चौमास	–	बारिश के चार महीने
			.....		.....

चंदन, चंद्रिका, चलन, चिह्नित, चोट

छ

छद्म	–	कपट, धोखा, अपने असली रूप को छिपाना	.....	.....
			.....	.....
.....		.....	.....	.....
छल	–	कपट, यथार्थ का गोपन	.....	.....

छलावा, छबि, छिद्र, छात्र, छुरिका

ज

.....		.....	जिजीविषा	–	जीने की इच्छा
जनतंत्र	–	जनता द्वारा बनाया गया तंत्र	जिज्ञासु	–	जानने की इच्छा रखने वाला
जननी	–	माता			
जर्नेल	–	जनरल, सेना का एक बड़ा अधिकारी	जिरहबख्तर	–	कवच
			जिह्वा	–	जीभ
.....		.....	जिह्वाग्र	–	जीभ का अगला भाग
जबान	–	भाषा	.....		.....
जलप्रपात	–	झरना	जूझना	–	लड़ना
जश्न	–	उत्सव	.....		.....
.....		.....	ज्यादती	–	अत्याचार
जालिम	–	अत्याचारी	जरहि	–	वैद्य

जग, जबर, जायदाद, जुगुप्सा, जोश

झ

.....		.....		.....		.....	
झापड़	–	थप्पड़					

झटपट, झोली

ट

टटोलना	–	खोजना	.....	.....
टस–से–मस न होना	–	बिना हिले–डुले	.....	.....

टिपटाप, टेलीग्राम

त

तंग नजरी	–	संकीर्ण विचार संकुचित दृष्टिकोण	तसल्ली	–	दिलासा, सांत्वना
			तादाद	–	संख्या
तटस्थल	–	किनारे की भूमि	तासों	–	उससे, इससे
तत्कालीन	–	उसी समय का	तिकड़म	–	किसी भी तरह सफलता प्राप्त करना
तत्परता	–	मुश्तैदी			
तबादला	–	बदली, स्थानांतर			
तमतमाना	–	क्रोधित होना	तिल का ताड़ बनाना	–	बढ़ा–चढ़ा कर कोई बात कहना
तंबू	–	डेरा, टेंट			
तरक्की	–	उन्नति, पदोन्नति	तीक्ष्ण	–	तेज, उग्र
.....		.....	.....		.....
तराशना	–	काटकर आकार देना, फाँक–फाँक करना	तोबा	–	पश्चाताप करना
			तोषक	–	बड़ा तकिया, लोढ़
तरुण	–	जवान	.....		.....

तरणी, तैश, तोहफा

थ

थमना	–	रुकना, बंद होना	.....	.....
.....		.....		

थाती, थान

द

..... – .....
..... – .....
दक्षता – कुशलता
..... – .....
दफा हो जाना – चला जाना
दलहा – एक पर्वत का नाम
दस्ता – सेना की टुकड़ी
दस्तावेज – अभिलेख, रिकार्ड
द्रवित – भावुक, पिघलना
दृगकोर – आँखों का कोना
दाँताकसी – कहासुनी
दिलासा देना – तसल्ली देना
दिलेर – साहसी, दिलवाला
दिवाकर – सूर्य
द्विगुणित – दो गुणा/दुगुना,
दीर्घजीवी – लंबे समय तक जीनेवाला
..... – .....
दुर्गुण – अवगुण
दुश्मन – शत्रु, बैरी
..... – .....
दूभर – कठिन
देवांगना – देव–कन्या
द्रोह भावना – बैर, दुश्मनी की भावना
दृष्टिगोचर होना – दिखाई देना

दूत, दंडित, दर्प, दंभी, दीपोत्सव

ध

..... – .....
..... – .....
धमा–चौकड़ी – उछलकूद
धरा – पृथ्वी
धाम – स्थान, निवास
धीरज – धैर्य
धैर्यपूर्वक – धीरज धरकर
..... – .....
..... – .....

धनंजय, धमकाना, ध्वज, ध्वस्त

न

नज़र – दृष्टि
नज़र अंदाज करना – उपेक्षा करना, ध्यान न देना
नतमस्तक – सिर झुकाकर
..... – .....
..... – .....
नाचीज़ – तुच्छ
नाटा – ठिंगना, छोटा
नित्य – प्रतिदिन
निर्जीव – जिसमें जीव नहीं, मृत
निर्दय – बिना दया के, दयारहित, करुणाविहीन
निर्देशन – मार्गदर्शन, निर्देश के अनुसार

निर्भय – बिना भय के, भयमुक्त
निमग्न – डूबा हुआ, रमा हुआ
नियति – भाग्य
नियाज़ – भाग्य
निरंतर – लगातार
निरुपाय – जिसका कोई उपाय न हो
निशा – रात, रात्रि
निष्ठा – लगन, ईमानदारी
..... – .....
निस्सीम – जिसकी कोई सीमा न हो
निहत्थे – बिना हथियार के
निहारना – देखना
..... – .....
..... – .....

नफ़ा, नतीजा, निष्प्रभ, नेह न्योता

प

..... – .....
पग – पाँव, पैर
पटुता – दक्षता
पड़ाव – ठहराव
पतित – गिरा हुआ
..... – .....
पथ – रास्ता, मार्ग
पथ–प्रदर्शन – रास्ता दिखाना
पयस्विनी – दूध देने वाली गाय
परवरिश – देखभाल, पालन–पोषण
परस्पर – आपस में
परास्त – हार
परिचायक – सेवा करने वाला
परिचर्या – सेवा
पश्तो – अफगानिस्तान की भाषा
..... – .....
पार्थ – अर्जुन
पाषाण – पत्थर
पार्थिव – पृथ्वी की तरह, निर्जीव
पिद्दी – बहुत छोटा
पुरखा – पूर्वज
पुरस्कार – इनाम
पुष्पवेणी – फूलों की माला
पेश करना – प्रस्तुत करना, हाजिर करना, उपस्थित करना
प्रजनन स्थान – जन्म देने का स्थान
प्रताड़ना – चोट पहुँचाना, बुरा–भला कहना
..... – .....
प्रतिशोध – बदला
प्रदत्त – दिया गया
प्रतिकूल – विपरीत
प्रतिवाद – विरोध
प्रतीक्षा – इंतजार
प्रदीप – दीपक
प्रमाद – आलस्य
प्रवास – अल्पवास
प्रहार – चोट
प्रियदर्शन – प्रिय के दर्शन
..... – .....
प्रौढ़ा – अधेड़ उम्र की औरत

पखवाड़ा, पतोहू, पाखंड, प्रेक्षागृह, प्रतिकार

फ

.....		.....
.....		.....
फतह	–	विजय
फरियाद	–	दुहाई, अपराध की शिकायत
फरिश्ते	–	देवदूत
.....		.....

फुसफुस	–	धीरे–धीरे बातचीत करना
.....		.....
फैलोशिप	–	सदस्यता प्राप्त करने पर मिलने वाली छात्रवृत्ति
.....		.....
फिरंगी	–	विदेशी

फकत, फ़कीर, फर्ज, फूहड़, फैसला

ब

.....		.....
बंदी	–	बँधा हुआ, कैदी
बंदोबस्त	–	प्रबंध
.....		.....
.....		.....
बखूबी	–	अच्छी तरह
बख्शो	–	क्षमा करो
बदतमीजी	–	बुरा–व्यवहार
बर्दाश्त करना	–	सहन करना
.....		.....
बयार	–	हवा
बाडीगार्ड	–	अंगरक्षक
बायोडाटा	–	जीवनवृत्त
बित्तेभर	–	बहुत छोटा
ब्यालू	–	रात का भोजन

बीहड़	–	घना जंगल
बुत	–	मूर्ति
बुतपरस्त	–	मूर्तिपूजक
बुद्धि दीप्त	–	बुद्धि की चमक
बेइंसाफी	–	अन्याय
बेड़ी	–	जंजीर, (पाँवों में लोहे की संकल)
बेशुमार	–	बहुत अधिक, जिसकी गिनती न हो
बेहतर	–	उससे श्रेष्ठ
.....		.....
.....		.....
.बोध	–	समझ

बंदनवार, बंधु, बंधुआ, बैठक, बैरागी

भ

भई	–	हुई
भनक पड़ना	–	उड़ती–उड़ती बात सुनाई पड़ जाना

.....		.....
भव्य	–	अति सुंदर
भ्रम	–	संदेह

भाजन	–	भागना चाहते हैं।	भुजा	–	बाँह
भीत	–	दीवाल	.....	–	.....

भवन, भ्रमर

म

मंथर	–	धीमी	मानवीय	–	मानव जैसा
मुंडेर	–	छत पर चारों ओर बनी मेंड़ (घेरा)	माफिक	–	अनुकूल
.....		.....	.....		.....
मगजमारी	–	माथापच्ची	मिन्नत	–	खुशामद
.....		.....	मीत	–	मित्र
मज़मून	–	विषयवस्तु	मुआवजा	–	नुकसान की भरपाई के लिए दिया जाने वाला धन
मझधार	–	बीचधार			
.....		.....	मुद्रा	–	स्थिति
मरियल	–	बहुत कमजोर, मरे जैसा	मुक्तिमंत्र	–	स्वतंत्र होने का मंत्र
महत्वाकांक्षा	–	विशेष उपलब्धि की इच्छा	मुल्क	–	देश
मातहत	–	अधीनस्थ, अपने अधीन काम करने वाले	मुसाफिर	–	यात्री
			मुस्तैदी	–	उत्साह से डटे रहना
मातृहीन	–	बिना माता के	मूर्तिवत	–	मूर्ति के समान, स्थिर
.....		.....	.....		.....
			.....		.....

मक़सद, मदारी, मजदूर, माननीय, मिट्ठू, मेघ, मौन

य

यकीन	–	विश्वास	यवनिका	–	परदा
.....		.....	युद्ध घोष	–	लड़ाई की घोषणा
यत्र–तत्र	–	यहाँ–वहाँ	यूरोपीय	–	यूरोप के
.....		.....	.....		.....
यदाकदा	–	कभी–कभी	.....		.....

यतीमखाना, यथाशक्ति, योजना, यौगिक

र

.....		.....	रिक्तता	–	रीतापन, खालीपन
रम्य	–	सुंदर	रीति	–	प्रथा, नियम
.....		.....	रुआबदार	–	प्रभावशाली
रवैया	–	व्यवहार	रुग्ण	–	रोगी
.....		.....	रुचि	–	पसंद, अच्छा लगना
.....		.....	रूह	–	आत्मा
रिक्त	–	रीता, खाली, खोखला	रोगमुक्त	–	बिना किसी रोग के
रिवाज़	–	परम्परा	.....		.....
रिहर्सल	–	कोई काम करने के पहले उसका अभ्यास करना	.....		.....

रंक, रदन, रसना, रार, रोज़ाना, रौद्र

ल

लगान	–	खेती पर लिया जाने वाला कर	लियाकत	–	योग्यता, गुण
			लैदर–जैकेट	–	चमड़े की जैकेट
.....		.....	.....		.....
लबालब	–	भरपूर	लोभ	–	लालच
ललाम	–	सुन्दर, मनोहर	लौह पुरुष	–	साहसी पुरुष, सरदार वल्लभ भाई पटेल का सम्बोधन
.....		.....			
लाभप्रद	–	लाभदायी			
लायक	–	काबिल, योग्य			
लिबास	–	पहनावा			

लगी, लाठी, लोकायन

व

वंचित	–	रहित	वाजिब	–	सही, उचित
.....		.....	वाणी	–	बोली, भाषा, वचन
वचनबद्ध	–	वचन में बँधे हुए.	वाम	–	उल्टा, बायाँ
.....		.....	वास	–	निवासस्थल, रहना
वयः संधि	–	बचपन और किशोरावस्था, युवावस्था, और बुढ़ापा के बीच की अवस्था	विख्यात	–	प्रसिद्ध
			विच्छिन्न	–	अलग हुई / हुआ
			विनम्र	–	कोमल
			विपत्ति	–	विपदा
वसुन्धरा	–	धरती	विपुल	–	बहुत अधिक
वहशी	–	पागल, निर्दयी	.....		.....

....
विलक्षण – अनोखा
विशारद – दक्ष, कुशल, किसी विषय का विज्ञानी
विशेषज्ञ – किसी विषय में, विशेष योग्यता रखनेवाला
विश्लेषण – छानबीन

विषाद – दुख
....
वीरगर्वित – वीरों के पराक्रम से गर्व करने योग्य
वीरान – सूना

वक्रतुंड, वचनामृत, विलग, विहंग, विफल, वीरांगना,

श

शख्स – आदमी
शर्म – लज्जा
शस्य – धान
....
....
शिरोधार्य – सिर पर धारण करने योग्य
शिला – चट्टान (बड़ा पत्थर)
शुक – तोता
शूल – काँटा, पीड़ा

....
श्रवण – कान, सुनना
शयनागार – सोने का स्थान
शहीदी – बलिदानी
शागिर्दी – शिष्यत्व
शिकस्त देना – हराना
....
शौर्य – वीरता, बहादुरी
श्यामल – हरियाली
....

शालीन, शिखि, शेयर, शौक, श्वेत

ष

षड़यंत्र – कुचक्र
....

....

षोडश, षष्ठी

स

संक्रामक – संपर्क में आने से फैलने वाला
संकीर्ण – संकरा
....
....
सँजोया – संभाला
संयुक्त – जुड़ा हुआ

....
सख्य – सखाभाव
....
सन्न – स्तब्ध, भौंचक
सबक – शिक्षा, पाठ
सभीत – भय के साथ, भयभीत

समत्व	–	समानता, बराबरी
.....		.....
सयानी	–	समझदार
.....		.....
सरिता	–	नदी
सर्जन	–	चीरफाड़ करनेवाला, ऑपरेशन करनेवाला डॉक्टर
सर्वोच्च	–	सबसे ऊँचा
सहस्र	–	एक हजार
सहिष्णु	–	सहन शील
सामर्थ्य	–	क्षमता, योग्यता, शक्ति
सार्वजनिक	–	सबके लिए
सींकिया	–	दुबला–पतला
सोफियाना	–	कृत्रिमता
सुभग	–	भाग्यवान
साहचर्यजनित	–	साथ होने से पैदा हुई
सिद्धहस्त	–	जिसका हाथ मँजा हुआ हो, दक्ष, कार्यकुशल
सिहान	–	सराहना करना
सीमाहीन	–	जिसकी कोई सीमा न हो, असीम
सुखद	–	सुख देनेवाला
सुखधाम	–	सुख का घर
सुगमता	–	आसानी से, सरलता से
सुरभि	–	सुगंध
सूरमा	–	वीर, पराक्रमी
स्वच्छंद	–	स्वतंत्र, मुक्त
सौंदर्य	–	सुंदरता
स्नेह	–	प्रेम
स्पेशल	–	खास तौर पर, विशेष
सकपकाना	–	घबराना
सतत	–	लगातार
समीर	–	हवा
सराबोर	–	भीगा हुआ
सर्वसत्ता	–	सभी की सत्ता
सहजशक्ति	–	स्वाभाविक गुण
सुलूक	–	व्यवहार
सैलानी	–	घुमक्कड़
स्वराज्य	–	अपना राज्य
स्वेद	–	पसीना

सकाम, संग्रहीत, संध्या, सगाई, सरासर, सामुदायिक

ह

हतप्रभ	–	आश्चर्यचकित
हराम	–	बिना मेहनत के
हर्गिज	–	बिल्कुल
.....		.....
हलाकान	–	घबराना
.....		.....
हिदायत	–	निर्देश
.....		.....
हरीतिमा	–	हरियाली, हरे रंग का प्रभाव
हिलमिल कर	–	मिलजुल कर
हेकड़ी	–	अकड़पन
हेय	–	तुच्छ, नीच
हौसला	–	उत्साह
.....		.....
.....		.....

हलवाई, हालाँकि, हिम्मत, हेडमास्टर, हृदय

स्वच्छता के जरिए स्वास्थ्य की ओर एक कदम

1. हाथ अच्छी तरह धोकर ही भोजन ग्रहण करें।
2. खुले में रखे भोज्य पदार्थों का सेवन न करें।
3. घर के सामने कचरा न फेकें।
4. कचरा कूड़ेदान में ही डालें एवं बंद कूड़ेदान का इस्तेमाल करें।
5. इधर–उधर मल–मूत्र विसर्जित न करें न ही थूकें, इस हेतु शौचालय का इस्तेमाल करें।
6. सड़क पर भूल से भी केले का छिलका अथवा चिकनाई वाला पदार्थ न डालें।
7. घरों के आस–पास पानी एकत्र न होने दें एवं एकत्र पानी के निकासी का बंदोबस्त करें।
8. जलाशयों में समय–समय पर पोटाश, क्लोरिन, फिटकरी आदि डालें ताकि पानी पीने योग्य रहे।
9. सूखे कचरों को एकत्र कर जला दें।
10. प्लास्टिक बैग का इस्तेमाल न करें।
11. सार्वजनिक भोज में प्रयुक्त पत्तल, ग्लास आदि को यहाँ–वहाँ न फेकें।
12. किसी भी तरह की नशीली वस्तुओं का सेवन न करें।
13. टीकाकरण हेतु हमेशा नई सुई का ही इस्तेमाल करें।
14. स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनहित में जारी निर्देशों का पालन करें एवं उनके द्वारा मुहैया कराए गए सुविधाओं का लाभ उठाएँ।
15. स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।